

चौखट | By Shivam Sharma

मैं जबसे जुड़ा हूँ चौखट से तेरी
ये दुनिया मुझे श्याम भाती नहीं है
तुम्हे पाके जाना ये मैंने कन्हैया
सिवा आपके कोई साथी नहीं है
मैं जबसे जुड़ा हूँ

अँधेरी राहों में चलता रहा मैं मुझे मंज़िलों की खबर ही कहाँ थी
जिस रास्ते पर मिलन हो हमारा मालूम मुझको वो डगर ही कहाँ थी
थामी जो तूने मेरी कलाई फिकर रास्तों की सताती नहीं है
तुम्हे पाके जाना ये मैंने कन्हैया
सिवा आपके कोई साथी नहीं है
मैं जबसे जुड़ा हूँ

कैसे चलाता जीवन का बेडा पतवार मोहन ये टूटी हुई थी
सर पे खड़ा था बादल गमो का हिम्मत की डोरी ये छूटी हुई थी
संभाली जो तूने ये नैया कन्हैया भंवर ज़िन्दगी की डराती नहीं है
तुम्हे पाके जाना ये मैंने कन्हैया
सिवा आपके कोई साथी नहीं है
मैं जबसे जुड़ा हूँ

खा खा के टोकर ज़माने की मैंने कदमों में तेरे ये सर को झुकाया
अपनी शरण में लिया जो तरुण को जीने का असली मज़ा श्याम आया
तुमने निभाई वो प्रीत कन्हैया किसी से निभाई ये जाती नहीं है
तुम्हे पाके जाना ये मैंने कन्हैया
सिवा आपके कोई साथी नहीं है
मैं जबसे जुड़ा हूँ

<https://bhaktivandana.com/lyrics/%e0%a4%9a%e0%a5%8c%e0%a4%96%e0%a4%9f-by-shivam-sharma/>